>

Title: Decrease in water level in western part of the Madhya Pradesh.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (राजगढ़): सभापति महोदय, मध्य प्रदेश के पश्चिमी भाग में जिसमें कि विशेषकर मेरा संसदीय क्षेत्र राजगढ़ आता है जो कि राजस्थान की सीमा से लगा हुआ है। यहां जलस्तर निरन्तर नीचे जा रहा है। यह एक विचारणीय प्रश्न है। लगभग 10 वर्ष पूर्व जहां 70-80 फीट की गहराई पर नलकूप खनन करने से पर्याप्त पानी उपलब्ध हो जाता था, लेकिन अब इसी क्षेत्र में 400 फीट से 700 फीट की गहराई तक खनन करने पर भी पानी बमुश्किल उपलब्ध हो पाता है। पर्याप्त पानी यदि उपलब्ध हो भी जाता है तो वह पेयजल के योग्य नहीं होता है। शीघ्र ही सरकार ने यदि इस संबंध में समुचित कार्य योजना बनाकर प्रयास नहीं किए तो आने वाले समय में मध्य प्रदेश का यह पश्चिमी भाग जो कि राजस्थान की सीमा से लगा हुआ है, मरूस्थल में परिवर्तित हो जाएगा। मरूस्थल में परिवर्तित होने के चिन्ह अभी से इस भाग के राजगढ़ जिले के तंवरवाड क्षेत्र में दृष्टिगोचर होने लगे हैं।

सभापति महोदय, मध्य प्रदेश का यह पश्चिमी भाग जो कि मालवा कहलाता है, जहां की एक कहावत प्रचलित है- " मालव धरती, धीर गम्भीर, पग-पग रोटी, डग-डग नीर, " शीघ्र ही इतिहास की कथा बन जाऐगी और हमारा हरा-भरा मालवा मरूस्थल भूमि में परिवर्तित हो जाऐगा।